Seventeenth Loksabha

>

Title : Request the government to frame strict law against consuming of Drugs by youth.

श्री सय्यद ईमत्याज़ जलील (**औरंगाबाद**): सभापति महोदय, एक बहुत ही गंभीर विषय है, जिस पर मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ । कुछ महीने पहले मुम्बई के एक फिल्म स्टार का बेटा कुछ ड्रग्स के साथ पकड़ा गया था । उस वक्त मीडिया के अन्दर इस तरह से चल रहा था जैसे एक ही केस हुआ है और पहली बार कोई ड्रग्स पकड़ा गया है । जबकि हकीकत यह है कि आज इस मुल्क के हर बड़े शहर और गांव के अंदर ड्रग्स का धड़ल्ले से कारोबार चल रहा है । यहां पर भारती पावर मैडम बैठी हुई हैं, मैं उनको बताऊँगा तो रोंगटे खड़े हो जाएंगे । मैं अपने शहर के दो उदाहरण आपको देता हूं । एक नशे खोर लड़के ने एक बेकसूर लड़के का जब मर्डर किया, तो उसने उसके गोश्त के टुकड़े निकाले और जिस तरह कबाब को भून कर खाया जाता है, उसने इंसान का गोश्त खाया । दूसरे केस के अंदर, दो नशे खोरों ने, एक नशे खोर ने दूसरे का मर्डर किया, उसकी आंखें निकाली और उसके साथ गोटियां खेला । जब हमने इसके बारे में तफ्तीश की तो पता चला कि नौजवानों द्वारा आजकल गोलियों का एक नशा किया जा रहा है, जो मेडिकल स्टोर्स पर मिल रही हैं ।

सभापति जी, हमारा कानून ऐसा है कि अगर छोटी क्वांटिटी में ड्रग्स मिलता है तो दोषी को दूसरे दिन जमानत हो जाती है । मैं सरकार से यह अनुरोध करूंगा कि इस मुल्क की एक पूरी नौजवान नस्ल, जो नशे के अन्दर बर्बाद हो रही है, उस पर कड़े कानून बनाने की जरूरत है ।